आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 11 लखनऊ, सोमवार 21 जून से 27 जून, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

अगले महीने संभव तीसरी लहर?

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स दिल्ली के निदेशक डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने पूरे देश को डरा दिया है। उन्होंने कहा है कि कोरोना वायरस की तीसरी लहर डेढ़ से दो महीने में ही आ सकती है। हालांकि उन्होंने इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं बताया है। ऐसे ही सरकारी विशेषज्ञों ने पिछले महीने देश को डराया था कि तीसरी लहर में बच्चों में ज्यादा संक्रमण फैलेगा, उसके बाद से सरकार सफाई दे रही है कि इस बात का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है कि बच्चों में कोरोना ज्यादा फैलेगा। बहरहाल, हर दिन टेलीविजन पर आकर कोई न कोई बयान देने वाले डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि यदि कोरोना गाइडलाइंस का पालन नहीं किया गया और बाजारों या टूरिस्ट स्पॉट पर लगने वाली भीड़ को नहीं रोका गया तो कोरोना की तीसरी लहर सिर्फ छह से आठ हफ्तों में पूरे देश पर अटैक कर सकती है। डॉ. गुलेरिया ने बच्चों के बारे में की गई पहले की भविष्यवाणी को खारिज करते हुए यह भी कहा कि अभी तक की रिसर्च में ऐसे कोई सबूत नहीं मिले हैं कि कोरोना की तीसरी लहर बड़ों से ज्यादा बच्चों को प्रभावित करेगी। गौरतलब है कि भारत के महामारी विशेषज्ञों ने पहले सितंबर–अक्टूबर तक कोरोना की तीसरी लहर आने की आशंका जताई थी। लेकिन डॉक्टर गुलेरिया ने जुलाई–अगस्त में ही तीसरी लहर आने की भविष्यवाणी कर दी है। इससे पहले देश में अप्रैल और मई

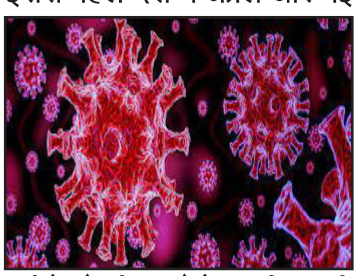

महीने के बीच कोरोना की दूसरी लहर भारत में पीक पर पहुंची थी। दूसरी लहर कोरोना के डेल्टा वैरिएंट की वजह से आई और इसी वजह से करीब दो लाख लोगों की मौत हुई। देश में कोरोना वायरस के कम होते मामलों के बीच पाबंदियों से छूट मिलने का सिलसिला जारी है। दक्षिण के राज्यों में अभी सबसे ज्यादा केसेज आ रहे हैं, वहां भी अब छूट मिलने लगी है। कोरोना के मामले में कमी को देखते हुए तेलंगाना कैबिनेट ने लकडाउन को पूरी तरह से हटाने का फैसला किया है। कर्नाटक सरकार ने लोगों को आंशिक राहत दी है। इससे पहले उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली सहित कई राज्यों ने लॉकडाउन को धीरे–धीरे हटाने का फैसला किया है। इस बीच केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को ३टी प्लस वी फॉर्मूला अपनाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत कहा गया है कि टेस्ट–ट्रैक–ट्रीट और वैक्सीनेशन फर्मूले का विशेष ध्यान रखें। गौरतलब है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों के एक दल ने अक्टूबर तक देश में कोरोना की तीसरी लहर आने की आशंका जताई है। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों के लिए नए निर्देश जारी किए हैं और राज्यों को जरा सी भी ढील नहीं देने को कहा गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी २५ जून को अयोध्या के बड़े अफसरों के साथ करेंगे बैठक

लखनऊ। अयोध्या राम जन्मभूमि की जमीन खरीद में लग रहे भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी २५ जून को अयोध्या के बड़े अफसरों के साथ

बैठक करेंगे। इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ पर्यटन मंत्री भी शामिल होंगे। विपक्ष की तरफ से राम जन्मभूमि की जमीन खरीद में लगाए गए कथित भ्रष्टाचार के आरोप के बाद श्री राम जन्मभमि मंदिर तीर्थ ट्रस्ट विरोधियों के निशाने पर आ गया है। सूत्रों की मानें तो बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या के विकास से जुड़े योजनाओं की समीक्षा भी करेंगे। शहर के विकास के लिए अयोध्या डेवलपमेंट अथरिटी (।व।) की तरफ से २० हजार करोड़ रुपए की विकास योजनाएं तैयार की हैं। इन विकास योजनाओं को अयोध्या में रहने वाले ५ हजार लोगों ने मिलकर तैयार किया है। इसके साथ ही देश और राज्यों से अलग–अलग सथानों से आए ५०० टूरिस्ट का भी सुझाव लिया गया। माना जा रहा है कि अधिकारियों के साथ बैठक में प्रधानमंत्री हर एक योजना की प्रगति रिपोर्ट जानेंगे। सूत्रों के मुताबिक पीएमओ की तरफ से सभी विभागीय अधिकारियों को इसके लिए तैयार रहने को कहा गया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष ने 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों बधाई एवं शुभकामनाएं दीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष, हृदय नारायण दीक्षित ने 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों को स्वस्थ्य एवं निरोगी जीवन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं है। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय संस्ंति परम्पराओं का सम्मान और उसका पालन करते हुए योग व प्रंति के साथ चलने का संदेश देती है। योग साधना में जीवनशैली का पूर्ण सार समाहित किया गया है। योग भारतीय ज्ञान की हजारों वर्ष पुरानी विरासत है, जिसके प्रणेता महर्षि पतंजलि को माना जाता है। श्री दीक्षित ने करोना महामारी के बीच योग के प्रति जागरुक बनाने और उससे प्रतिरोध क्षमता बढ़ाने व जन–जन को संदेश देने के लिए अह्वान किया है।

आईटी नियमों पर सरकार का जवाब

नई दिल्ली। सोशल मीडिया कंपनियों के लिए बनाए गए नए आईटी नियमों पर केंद्र सरकार ने संयुक्त राष्ट्र संघ को जवाब दिया है। भारत सरकार ने कहा है कि नए आईटी नियम सोशल मीडिया के आम यूजर्स को ताकत देने के लिए बनाए गए हैं। केंद्र ने कहा है कि सिविल सोसायटी और दूसरे पक्षों के साथ सलाह मशविरे के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया है। सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने रविवार को इसकी जानकारी दी। असल में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार परिषद के तीन विशेषज्ञों ने ११ जून को भारत सरकार को पत्र लिख कर नए आईटी नियमों पर चिंता जताई थी। उनका कहना था कि भारत में लागू किए गए नए आईटी नियम अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानदंडों के हिसाब से नहीं हैं। ये ग्लोबल ह्यूमन राइट्स का उल्लंघन करते हैं। भारत सरकार ने इससे इनकार किया है और कहा है कि इनसे आम यूजर्स को ताकत मिलेगी। गौरतलब है कि नए नियमों को लेकर अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर के साथ भारत सरकार की ठनी है। भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र को बताया है कि उसने जो नए आईटी नियम बनाए हैं उसे २५ फरवरी, २०२१ को अधिसूचित किया गया। २६ मई से ये नियम लागू हो गए हैं। सरकार के मुताबिक, इस कानून के तहत किसी भी मैसेज की उत्पत्ति का पता बताने के मसले पर नए बहुत कम जानकारी मांगी जा रही है। ऐसा तभी होगा जब वायरल हो रहा कोई मैसेज हिंसा के लिए उकसा रहा हो, भारत की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचा रहा हो, महिलाओं की छवि खराब कर रहा हो, बच्चों के यौन शोषण से जुड़ा हो या इन मामलों में दखल देने वाला कोई और विकल्प काम नहीं कर रहा हो, तभी सोशल मीडिया इंटरमीडियरी को यह बताने की जरूरत होगी कि यह मैसेज कहां से शुरू हुआ है।

भाजपा की 'संकीर्ण राजनीति' टीकाकरण में बाधा : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि कोरोना वायरस संकम्रण से बचाव के लिए 'रक्षा कवच' के रूप में प्रचारित टीकाकरण की रफ्तार भाजपा की 'संकीर्ण राजनीति' के चलते धीमी हो चली है। अखिलेश ने यहां एक बयान में कहा कि पूरे राज्य से टीकाकरण में लापरवाही की शिकायतें आ रही हैं। भाजपा की संकीर्ण राजनीति की वजह से कोविड–१६ टीकाकरण अभियान की रफ्तार धीमी हो गई है। भाजपा सरकार ने दीपावली तक सबको टीका लगवाने का लक्ष्य घोषित किया है, लेकिन लगता नहीं है कि ऐसा हो पाएगा। उन्होंने कहा कि खुद भाजपा सरकार की रीति–नीति अस्पष्ट है जिससे टीकाकरण विवादों में घिरता जा रहा है और लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ के हालात पैदा हो रहे हैं। भाजपा टीके को लेकर प्रदेश में सिर्फ राजनीति कर रही है और

उसमें जनता पिस रही है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि तमाम जनपदों में टीकाकरण केन्द्रों का बुरा हाल है। राजधानी लखनऊ में सरकारी अस्पतालों में टीकों की कमी से लोगों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है। रायबरेली में ग्रामीण क्षेत्रों में कागजों पर टीके लग रहे हैं। बदायूं के उझानी में ३४ गांवों में टीकाकरण शुरू नहीं हो पाया है। शामली में मोबाइल टॉर्च की रोशनी में टीके लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा प्रयागराज, आजमगढ़ और वाराणसी में भी टीकाकरण से संबंधित तमाम समस्याएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में अनलाइन स्लॉट बुकिंग व्यवस्था ना तो व्यावहारिक है और नाहीं सुविधाजनक। इसे समाप्त करके सरकारी अस्पतालों में जनसुविधा के लिए ज्यादा काउण्टर खोले जाने चाहिए। भाजपा को केवल साधन सुविधा सम्पन्न लोगों की जिंदगी का ही ख्याल रखना छोड़कर गांव–गरीब का भी ध्यान करना चाहिए।

सम्पादकीय

लो अब आ गये अच्छे दिन

देश के लोगों को अच्छे दिन के सपने दिखा कर भाजपा सरकार ने २०१४ में गद्दी संभाली थी. यह तो सच है कि किसी भी राजनीतिक पार्टी के लिए मेनिफेस्टो में किए गए सारे वादे पूरे करना आसान नहीं है. लेकिन भारत की राजनीति में स्विट्जरलैंड के बैंकों में जमा काला धन हमेशा सही है बड़ा मुद्दा रहा है. पीएम मोदी ने भी लोगों को यह सपने दिखाए थे कि स्विट्जरलैंड से काला धन वापस लाकर वे गरीबों के खाते में १५ १५ लाख रुपए डालेंगे. आज लोगों को पीएम मोदी के उस वादे की तो नहीं पड़ी, लेकिन स्विजरलैंड बैंक के द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से जरूर परेशानी होने वाली है. इन आंकड़ों के सामने आने के बाद भी कुछ लोग यह नहीं मानेंगे की ऐसा हुआ है. चलो हम यह मान भी लेते हैं कि २०२० के आंकड़ों में कुछ गड़बड़ी है. लेकिन २०१६ के आंकड़े तो सबके सामने रखे ही गए थे उस पर तो भारत सरकार ने कोई प्रतिक्रिया कभी नहीं दी.देश के लोगों के खाते में १५ लाख रुपए डालने का वादा लेकर आई भाजपा सरकार एक बार फिर से विवादों से घिर गई है. २ दिन पहले ही स्विजरलैंड के केंद्रीय बैंक की ओर से सालाना डाटा जारी की गया. इसमें बताया गया कि २०२० में भारतीय नागरिकों, संस्थाओं और कंपनियों का जमा धन बढ़कर २.५५ अरब स्विस (२०.७०० करोड़) फ्रैंक हो गया. यहां बता दें कि २०१६ में जारी किए गए आंकड़ों में स्विस बैंकों में ६६२८ करोड रुपए जमा थे. अगर इन आंकड़ों का प्रतिशत में समझे तो महज १ साल में यह राशि २८६ प्रतिशत तक बढ़ गई है. यहां यह भी स्पष्ट दें कि जमा राशि पिछले १३ सालों में सबसे अधिक बताई जा रही है और २००७ के बाद अपने शीर्ष पर है. हालांकि भारत सरकार ने स्विजरलैंड की केंद्रीय बैंक के डेटा को गलत बताया है. भारत सरकार की ओर से कहा गया है कि स्विट्जरलैंड में कथित तौर पर काला धन के बढ़ने की खबर पूरी तरह से गलत है. इसके साथ ही भारत सरकार की ओर से स्विस अधिकारियों से जमा पैसों के बारे में जानकारी लेने के लिए संपर्क साधने और सूचना प्रदान करने की मांग की गई है. अब आने वाले समय में क्या सूचनाएं प्रदान की जाती है वह तो देखने वाली बात होगी. लेकिन यदि २०१६ के आंकड़ों को भी देखें तो समझ आएगा कि मोदी सरकार ने देश के लोगों से जो वादा किया था कि स्विस बैंक से काला धन लेकर आएगी वह तो फेल होता दिखाई दे रहा है. उन्होंने स्विजरलैंड के केंद्रीय बैंक द्वारा पेश किए गए आंकड़े के बाद से कांग्रेस ने भी भाजपा पर निशाना साधा है. एक के बाद एक कई कांग्रेसी नेताओं ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि यह लोग देश के लोगों से वादा करके आए थे कि काला धन वापस लाएंगे. लेकिन लगता है कि यह उसे और बढ़ाकर वापस लाना चाहते हैं. कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा कि भाजपा शुरू से ही स्विजरलैंड का रोना रोती थी. आज देश के लोगों को समझ जाना चाहिए कि वास्तविकता में ये लोग अपना बैंक बैलेंस बढ़ा सकते हैं, गरीबों के बैंक में पैसे नहीं डाल सकते।

कोविड–19 से बचाव और उपचार की व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश दिए

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'ट्रेस, टेस्ट एण्ड ट्रीट' नीति के अनुरूप कोविड–१६ से बचाव और उपचार की व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संक्रमण की चेन को तोड़ने तथा प्रदेशवासियों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए कोविड वैक्सीनेशन कार्य तेजी से संचालित किया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नें आज यहाँ अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश में कोविड–१६ की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बेहतर होती स्थितियों के दृष्टिगत कल २१ जून, २०२१ से आंशिक कोरोना कर्फ्यू में छूट बढ़ायी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संक्रमण नियंत्रित स्थिति में है। कोरोना वायरस कमजोर हुआ है, समाप्त नहीं हुआ है। दूसरे देशों एवं अन्य प्रदेशों में कोरोना संक्रमण की गंभीर स्थिति सबके सामने है। ऐसे में, थोड़ी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के सम्बन्धा में पूरी सतर्कता बरतना आवश्यक है। मुख्यमंत्री जी ने लोगों से घर से बाहर निकलने पर अनिवार्य रूप से मास्क का प्रयोग करने, दो–गज की दूरी का पालन करने तथा भीड़–भाड़ में जाने से बचने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कल सोमवार से आंशिक कोरोना कर्फ्यू में दी जा रही अतिरिक्त छूट के संबंध में निर्गत गाइडलाइंस का सभी जनपदों में प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित कराया जाए। बाजारों एवं सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ एकत्र न होने देने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा इन स्थलों की प्रभावी पेट्रोलिंग की जाए। पब्लिक एड्रेस सिस्टम का व्यापक प्रयोग करते हुए कोरोना से बचाव के सम्बन्ध में लोगों को निरंतर जागरूक किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी लोगों द्वारा मास्क का प्रयोग एवं दो–गज की दूरी के नियम का पालन हो। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि विगत २४ घण्टों में प्रदेश में कोरोना संक्रमण के २५१ नये मामले प्रकाश में आए हैं। इसी अवधि में ५६१ संक्रमित व्यक्तियों का सफल उपचार करके डिस्चार्ज किया गया है। वर्तमान में संक्रमण के एक्टिव मामलों की संख्या ४,५६६ है। उन्हें यह भी अवगत कराया गया कि पिछले २४ घण्टों में राज्य में २,६३,७६६ कोविड टेस्ट किये गये। प्रदेश में अब तक कुल ०५ करोड़, ५२ लाख, ६४ हजार, ४३३ कोरोना टेस्ट किए जा चुके हैं। राज्य में कोरोना संक्रमण की पॉजिटिविटी दर में लगातार कमी तथा रिकवरी दर में वृद्धि हो रही

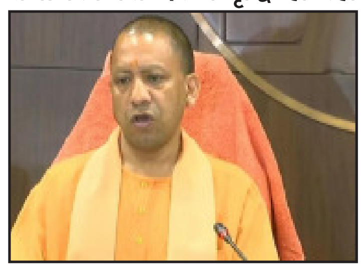

है। वर्तमान में रिकवरी दर ६८.४ प्रतिशत है। उन्हे अवगत कराया गया कि राज्य स्तरीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ परामर्श समिति द्वारा भविष्य में कोरोना संक्रमण की आशंका के संबंध में आकलन कर एक रिपोर्ट तैयार की गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समिति की संस्तुतियों को ध्यान में रखते हुए भविष्य में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जाएं। कोविड संक्रमण की सम्भावित तीसरी लहर एवं संचारी रोगों पर नियंत्रण के सम्बन्ध में सभी जनपदों द्वारा पूरी सक्रियता से प्रभावी प्रयास किये जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अवगत कराया गया कि कोविड–१६ की उपचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निरन्तर कार्यवाही की जा रही है। कोविड बेड की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। विगत दिवस प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में १०० कोविड बेड की वृद्धि हुई है। इसमें दोनों, आइसोलेशन एवं आई०सी०यू० बेड शामिल हैं। मानव संसाधन में भी पूरी पारदर्शिता के साथ वृद्धि की जा रही है। सभी मेडिकल कलेजों में १०० बेड के पीडियाट्रिक आई०सी०यू० (पीकू) तथा नियोनेटल आई०सी०यू० (नीकू) के निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। जिला अस्पतालों तथा कुछ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी पीकूल्नीकू का निर्माण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने पीकू तथा नीकू की स्थापना की कार्यवाही इसी माह पूर्ण कर लिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा मंत्री से कार्य की प्रगति की समीक्षा कर दो दिवस में रिपोर्ट उपलब्ध कराने की अपेक्षा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कोरोना वैक्सीनेशन कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि ४५ वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए भारत सरकार द्वारा पहले से ही निःशुल्क कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराई जा रही है। भारत सरकार द्वारा कल २१ जून, २०२१ से १८ से ४४ वर्ष आयु वर्ग के लिए भी निःशुल्क कोविड वैक्सीनेशन की व्यवस्था की गयी है। इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना वैक्सीनेशन का कार्य और तेजी से संपन्न किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि पूरी क्षमता से कार्य करते हुए ०६ लाख कोरोना वैक्सीन प्रतिदिन एडमिनिस्टर किए जाने का प्रयास किया जाए। ०१ जुलाई, २०२१ से १० से १२ लाख कोरोना वैक्सीन प्रतिदिन एडमिनिस्टर करने के लक्ष्य के साथ तैयारी की जाए। वैक्सीनेशन कार्य को तेजी से संचालित करने के लिए वैक्सीनेशन सेंटर तथा वैक्सीनेटर्स की संख्या बढ़ाई जाए। नर्सिंग पाठ्यक्रम के अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों को वैक्सीनेटर के रूप में तैयार किया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अवगत कराया गया कि एम०एस०पी० के अन्तर्गत अब तक रिकर्ड ५५.६३ लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीद की जा चुकी है। किसानों को अब तक ६,८४६ करोड़ रुपये से अधिक के गेहूं मूल्य का भुगतान भी कर दिया गया है। अंत्योदय तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण आज से प्रारंभ किया गया है। यह निःशुल्क खाद्यान्न वितरण राज्य सरकार के अपने संसाधनों द्वारा किया जा रहा है।

विभूति खंड पुलिस को मिली बड़ी सफलता उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी करने वाले पांच अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। विभूति खंड पुलिस को मिली बड़ी सफलता उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी करने वाले पांच अभियुक्त गिरफ्तार। प्रभारी निरीक्षक विभूति खंड चंद्रशेखर सिंह की टीम को मिली बड़ी सफलता। केटीएल मेट्रो सिटी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी खोलकर होता था धोखाधड़ी का खेल। प्लाट के नाम पर रिटर्न का अच्छा प्रलोभन देकर पैसा लगवाने के बाद धोखाधड़ी करते हुए फर्जी व कूटनीतिक दस्तावेज उपभोक्ताओं को दिए जाते थे। कंपनी के नाम पर करीब ६५० करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई है। कंपनी के डायरेक्टर समेत अभी करीब आधा दर्जन फरार है। विभूति खंड पुलिस ने रजनीश मौर्य, आनंद कुमार मौर्या, बृजेश कुमार यादव, संजय कुमार सिंह व संतोष पटेल को गिरफ्तार किया। आधा दर्जन से ज्यादा फर्जी कंपनियां बनाकर करोड़ों रुपए उपभोक्ताओं से लिए गए। विभूति खंड पुलिस ने ५ लोगों को गिरफ्तार करते हुए धोखाधड़ी के पड़े मामले का खुलासा किया है। डीसीपी पूर्वी संजीव सुमन एडीसीपी पूर्वी एसएम कासिम आब्दी और एसीपी विभूति खंड प्रवीण मलिक के कुशल नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक विभूति खंड चंद्रशेखर सिंह की टीम को बड़ी सफलता मिली है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति ने 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों के उत्तम स्वस्थ्य की कामना की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति, कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों के उत्तम स्वस्थ्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं है। विधान परिषद सभापति ने अपने संदेश में कहा है कि योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है, यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है। मनुष्य और प्रेंति के बीच सामंजस्य, विचार, संयम और स्फूर्ति प्रदान कर स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी अपने भीतर एकता की भावना, दुनिया और प्रकृति की खोज के विषय में यह हमारी बदलती जीवन– शैली में चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन एवं इस कोरोना महामारी से निपटने में मदद करता है।

इस महीने 11वीं बार बढ़े पेट्रोल-डीजल दाम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत ६७ रुपए से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही देश के १३ राज्यों में पेट्रोल के दाम एक सौ रुपए प्रति लीटर से ऊपर पहुंच गए हैं। रविवार को केंद्र सरकार की पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम में बढ़ोतरी। जून के महीने में यह ११वीं बढ़ोतरी थी। इस बढ़ोतरी के बाद इस महीने पेट्रोल की कीमत दो रुपए ६६ पैसे और डीजल की कीमत दो रुपए ७२ पैसे बढ़ चुकी है। रविवार को हुई बढ़ोतरी के बाद दिल्ली पेट्रोल २६ पैसे महंगा होकर ६७.२२ और डीजल २८ पैसे महंगा होकर ८७.६७ रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। देश के १३ राज्यों में पेट्रोल एक सौ रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के सभी जिलों में पेट्रोल एक सौ रुपए के पार पहुंचा गया है। वहीं बिहार, तेलंगाना, कर्नाटक, जम्मू कश्मीर, मणिपुर, ओड़िशा, चंडीगढ़, तमिलनाडु और लद्दाख में भी कई जगहों पर पेट्रोल एक सौ रुपए लीटर के पार निकल गया है। कई जगह डीजल के दाम भी सौ रुपए से ऊपर है। इससे पहले मई के महीने में पेट्रोल और डीजल की कीमत में १६ बार इजाफा हुआ। इस दौरान पेट्रोल ४.११ और डीजल ४.६६ रुपए महंगा हुआ है। इस साल की बात करें तो एक जनवरी को पेट्रोल ८३.६७ और डीजल ७४.१२ पर था, जो अब ६६.१२ और ८६.६८ रुपए प्रति लीटर पर है। यानी पांच महीने से भी कम में पेट्रोल १२.१५ और डीजल १२.८६ रुपए महंगा हुआ है।

६६००० सहायक अध्यापक भर्ती प्रक्रिया ३० जून तक होगी पूरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ६६००० सहायक अध्यापक भर्ती प्रक्रिया के रिक्त पदों एवं अनुसूचित जाति वर्ग के पूर्व के रिक्त पदों पर भर्ती की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस संबंध में शासनादेश जारी करते हुए सम्पूर्ण प्रक्रिया की समय सारिणी निर्धारित कर दी गई है। करीब ६००० सहायक अध्यापकों की परिषदीय विद्यालयों में नियुक्ति की जाएगी जबकि १७ मई को जारी शासनादेश के तहत, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर के जरिये तैयार चयन एवं जिला आवंटन सूची पर कार्यवाही निर्धारित समय सारिणी के अनुसार की जाएगी। उन्होने कहा कि एनआईसी द्वारा

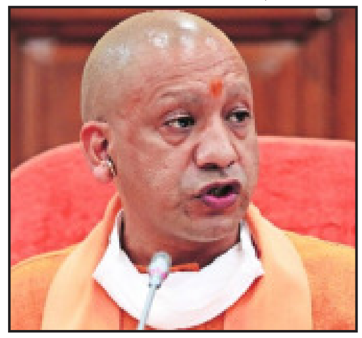

प्राप्त चयन एवं जिला आवंटन सूची का प्रकाशन २६ जून को किया जाएगा। चयन सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अभिलेखों का जिला स्तर पर परीक्षण २८ और २९ जून जबकि ३० जून को पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किये जायेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश में मिशन रोजगार के तहत बड़े पैमाने पर निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से विगत ०४ वर्षों में लगभग ०४ लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां उपलब्ध करायी गई हैं। सभी चयन परीक्षाओं में नियमों का पूर्ण पालन करते हुए समयबद्ध ढंग से योग्य अभ्यर्थियों की भर्ती की गई। भर्ती प्रक्रिया को पूरी तेजी से आगे बढ़ाते हुए आगामी समय में भी पारदर्शितापूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संचालित रखा जाएगा।

पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहने का आरोप सपा ने पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और पूर्व जिलाध्यक्ष को किया निष्कासित

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की स्वीकृति के बाद पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने की वजह से बागपत के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ओंकार यादव और किरण पाल उर्फ बिल्लू प्रधान पूर्व जिलाध्यक्ष को पार्टी से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया गया। सपा प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने शुक्रवार को बताया कि बागपत के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ओंकार यादव तथा किरण पाल उर्फ बिल्लू प्रधान पूर्व जिलाध्यक्ष को पार्टी से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया गया है। इसके अलावा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वेंति के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की संस्तुति पर धीरेन्द्र सिंह निवासी कदमतर मिर्जापुर को समाजवादी युवजन सभा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव, यशवीर सिंह चौधरी निवासी सुखरावली अलीगढ़ और मोहम्मद रिजवान खान वाराणसी को समाजवादी युवजन सभा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सदस्य नामित किया गया है।

पूर्व आईएएस अधिकारी एके शर्मा को बीजेपी ने उत्तर प्रदेश में पार्टी का उपाध्यक्ष बनाया

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी माने जाने वाले विधान परिषद सदस्य अरविंद कुमार शर्मा को उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद राजनीति में हाथ आजमाने उतरे एके शर्मा ने भाजपा की सदस्यता हासिल की थी जिसके बाद उन्हे विधान परिषद सदस्य बनाया गया। प्रशासनिक अनुभव होने के कारण उन्हे सरकार अथवा संगठन में महत्वपूर्ण पद दिये जाने को लेकर अटकले जारी थी। आज उन पर विराम देते हुये मऊ के एके शर्मा को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी प्रवक्ता ने बताया कि एके शर्मा के अलावा लखनऊ की अर्चना मिश्रा और बुलंदशहर

के अमित वाल्मीकि को संगठन में प्रदेश मंत्री के पद से नवाजा गया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाये दी है। इसके साथ ही उन्होने पार्टी के विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा की है। प्रांशुदत्त द्विवेदी (फर्रूखाबाद) को युवा मोर्चा, गीता शाक्य राज्यसभा सांसद (औरैया) को महिला मोर्चा, कामेश्वर सिंह (गोरखपुर) को किसान मोर्चा, नरेन्द्र कश्यप पूर्व सांसद (गाजियाबाद) को पिछड़ा वर्ग मोर्चा, कौशल किशोर सांसद को अनुसूचित जाति मोर्चा, संजय गोण्ड (गोरखपुर) को अनुसूचित जनजाति मोर्चा व कुंवर बासित अली (मेरठ) को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया है।

कम बकाया वालों के भी काटे जा रहे कनेक्शन

लखनऊ। २५ हजार से नीचे और तीन किलोवाट के उपभोक्ताओं को बकाया भुगतान में सहूलियत मिल सकती है। इन सभी उपभोक्ताओं के या तो कनेक्शन नहीं काटे जाएंगे या फिर कटने की स्थिति में किस्तों का लाभ दिया जाएगा। इसके साथ ही तीन किलोवाट के उपभोक्ताओं को भी बकाया भुगतान के लिए राहत दी जा सकती है। वहीं १० हजार तक उपभोक्ताओं को बकाया भुगतान के लिए ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं होगी। कोरोना काल को देखते हुए राज्य उपभोक्ता परिषद ने ऊर्जामंत्री श्रीकांत शर्मा ने इन सभी मुद्दों पर उपभोक्ताओं को सध्हूलियत देने की मांग की है। वहीं मंत्री श्रीकांत शर्मा ने भी उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा को इन सभी बातों को लेकर सकारात्मक जवाब दिया है।

मुख्य सचिव आरके तिवारी ने जारी की कोरोना के संबंध में नई गाइडलाइन

लखनऊ। मुख्य सचिव आरके तिवारी ने जारी की कोरोना के संबंध में नई गाइडलाइन। सुबह ७:०० बजे से रात ६:०० बजे तक खोले जा सकेंगे दुकान व बाजार। शनिवार व रविवार रहेगी साप्ताहिक बंदी। सरकारी विभागों में कोविड–१६ प्रोटोकल का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पूर्ण उपस्थिति रहेगी एवं कार्यालयों में कोविड–१६ हेल्प डेस्क की स्थापना रहेगी अनिवार्य सोमवार से शुक्रवार तक प्रदेश में मॉल्स खोलने की अनुमति, कोविड गाइडलाइन्स का करना होगा पालन रेस्टोरेंट होटल के अंदर स्थित रेस्टोरेंट एवं ईटिंग प्वाइंट सुबह ७:०० बजे से रात ६:०० बजे तक कोविड– कंटेनमेंट जोन को छोड़कर ५०: क्षमता के साथ खोलने की रहेगी अनुमति। मिठाई, स्ट्रीट फूड, फास्ट फूड की दुकानो में बैठक कर या खड़े होकर खाने की अनुमति नही। शादी समारोह व अन्य आयोजनों

में बंद स्थान अथवा खुले स्थान पर एक समय में अधिकतम ५० आमंत्रित अतिथियों को सशर्त अनिवार्यता एवं प्रोटोकल के अनुसार अन्य सावधानियों के साथ अनुमति होगी।अस्मारक, प्राणी उद्यान पार्क एवं उद्यान अपने पूर्व निर्धारित समय से खोले जाने की अनुमतिए कंटेनमेंट जोन को छोड़कर शेष स्थानों में धर्म स्थलों के अंदर परिसर के आकार को देखते हुए एक बार में एक स्थान पर ५० से अधिक श्रद्धालु इकट्ठा होने की अनुमति नहीं।सिनेमा हॉल ,स्टेडियम, स्विमिंग पूल , जिम खोलने की अनुमति अग्रिम आदेशों तक नहीं 'जिन जनपदों में स्वास्थ्य विभाग की प्रतिदिन कोरोनावायरस के सक्रिय केस ५०० से अधिक हो जाएंगे तो संबंधित जनपद में कोरोना कर्फ्यू में छूट स्वता समाप्त हो जाएगी एवं अनुमन्य समस्त गतिविधियों पर पुनः रोक लागू हो जाएगी। जिसके लिए आदेश यथा समय जारी किए जाएंगे'।

वांछित शातिर जालसाज पुलिस के हत्थे चढ़ा

लखनऊ। पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर के निर्देश पर अपराध नियंत्रण एवं वाँछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत आशियाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक परमहंस गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सुमित यादव नाम के एक वांछित शातिर जालसाज को गिरफ्तार कर जेल भेजा। गौरतलब है कि एलडीए सेक्टर ई निवासी सुमित यादव पुत्र रमेश यादव आशियाना थाने में मुद्दअ०सं०–५६/२०२१ धारा–४१९/४२०/४६७/४६८/४७१/५०६ के तहत दर्ज मुकदमें में वाँछित था। अभियुक्त सुमित यादव पुलिस की आंख में धूल झोंक कर फरार चल रहा था। जिसे आशियाना पुलिस ने आज गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

एक बार फिर से कोरोना की टीकों का निर्यात करेगा भारत, लेकिन पहले देश के लोगों को मिलेगी प्राथमिकता

नयी दिल्ली। भारत ने एक बार फिर से टीकों के निर्यात करने की उम्मीद जताई है.हालांकि इस संबंध में कहा जा रहा है कि जब तक भारत के लोगों के लिए पर्याप्त टीके का इंतजाम नहीं हो जाता तब तक निर्यात करना संभव नहीं है. बता दें कि अब भी दुनिया का सबसे बड़ा टीका निर्माता देश भारत ही है. इस संबंध में देश के कोविड–१६ कार्यबल के प्रमुख ने टीके की निर्यात संबंधित जानकारी दी. डॉ विनोद के पॉल ने एसोसिएटेड प्रेस को दिये साक्षात्कार में कहा कि भारतीय लोगों के महत्वपूर्ण हिस्से को टीका लगाने की हमारी तत्काल जरूरत पूरी हो जाए और विभिन्न स्रोतों से टीकों का स्टॉक मिल जाए, इसके बाद हम दूसरे देशों की सेवा और उन्हें टीके प्रदान करने की भूमिका निभाना चाहेंगे. पॉल ने अप्रैल में टीके के निर्यात को प्रतिबंधित करने के भारत सरकार के कदम का बचाव किया. उन्होंने कहा कि उस समय देश में संक्रमण और मौत के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे थे.उन्होंने कहा कि भारत ने साल की शुरुआत में पर्याप्त मात्रा में टीके दिए थे, जब उसने अपना टीकाकरण अभियान शुरु किया था. इस बात के लिए भारक का सम्मान किया जाना चाहिए क्योंकि कई देशों ने ऐसा नहीं किया है. भारत ने जनवरी में ६० से अधिक देशों को टीकों का निर्यात करना शुरू किया था। लेकिन जब भारत में संक्रमण बढ़ गया तो निर्यात बंद हो गया. टीके के निर्यात को लेकर केंद्र सरकार को देश के अंदर भी विरोध का सामना करना पड़ा था. विपक्षी पार्टियों के साथ ही सोशल मीडिया में भी केंद्र सरकार की जमकर किरकिरी हुई थी. कई सोशल मीडिया प्लेटफर्म पर भी 'मेरे बच्चों का टीका विदेश क्यों भेजा' नाम का एक कैंपेन चलाया गया था. इसके साथ ही १८ के लोगों के लिए वैक्सीनेशन का ऐलान करने के बाद भी वैक्सीन की किल्लत सामने आई थी. कई राज्य सरकारों ने तो कोरोना की वैक्सीन ना होने की बात कहकर वैक्सीन अभियान को ही रोक दिया था।

बेहद संक्रामक डेल्टा वैरिएंट है 'चिंताजनक' : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल यानी सीडीसी ने भारत में सबसे पहले पाए गए कोरोना वायरस के बेहद संक्रामक डेल्टा वैरिएंट को 'चिंताजनक' बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्लुएचओ ने पहले ही इस वैरिएंट को चिंताजनक बता दिया था। सीडीसी ने एक बयान में कहा है– अमेरिका में पाए जा रहे वायरस के स्वरूप बी.१.१.७ यानी अल्फा, बी.१.३५१ यानी बीटा, पी.१ यानी गामा, बी.१.४२७ यानी एप्सिलन, बी.१.४२६ यानी एप्सिलन और बी. १.६१७.२ यानी डेल्टा चिंता का विषय हैं। अमेरिका में अब तक ऐसा कोई वैरिएंट नहीं है, जिसका प्रभाव बहुत अधिक हो। सीडीसी ने अपने बयान में कहा है कि डेल्टा स्वरूप में तेजी से फैलने की क्षमता है। गौरतलब है कि वायरस के किसी भी वैरिएंट को चिंताजनक तब बताया जाता है जब वैज्ञानिक मानते हैं कि वह अधिक संक्रामक है और गंभीर रूप से बीमार कर सकता है। चिंताजनक स्वरूप की पहचान करने वाली जांच, उपचार और टीके भी इसके खिलाफ कम प्रभावी हो सकते हैं। इससे पहले सीडीसी ने डेल्टा वैरिएंट के बारे में कहा था कि इस स्वरूप के बारे में और अनुसंधान की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने १० मई को डेल्टा को चिंताजनक स्वरूप बताया था। सीडीसी के अनुमान के मुताबिक, पांच जून तक अमेरिका में संक्रमण के मामलों में से ६.६ फीसदी के पीछे वजह डेल्टा वैरिएंट था। वायरस के वैरिएंट्स पर नजर रखने वाली वेबसाइट

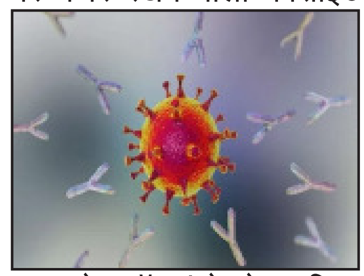

'आउटब्रेक डॉट इंफो' के मुताबिक, १३ जून तक डेल्टा वैरिएंट के मामले १०.३ फीसदी हो गए। सीएनएन की एक रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि महीने भर के भीतर अमेरिका में डेल्टा स्वरूप सबसे प्रभावशाली वैरिएंट बन सकता है। पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके मुख्य सलाहकार डॉ. एंथनी फची ने आगाह किया था कि नोवेल कोरोना वायरस का डेल्टा स्वरूप बहुत अधिक संक्रामक है, यह ब्रिटेन में १२ से २० साल के लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है और वहां सबसे हावी स्वरूप साबित हो रहा है।

आखिर रिहा हुई नताशा, देवांगना

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की तमाम अड़चनों के बावजूद आखिरकार नताशा नरवाल, देवांगना कलिता और आसिफ इकबाल तन्हा दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा हो गए। दिल्ली में हुए दंगों के आरोप में गिरफ्तार हुए इन तीन छात्रों को एक अदालत के आदेश पर गुरुवार को रिहा किया गया, जबकि उनको दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को ही जमानत दे दी थी। पुलिस ने उनके पते की जांच के बहाने उनकी रिहाई रोकी थी और सुप्रीम कोर्ट में जमानत के खिलाफ अपील की थी। लेकिन गुरुवार को दिल्ली की एक अदालत ने तीनों को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया, जिसके बाद शाम तक तीनों को रिहा कर दिया गया। उत्तर–पूर्वी दिल्ली दंगे से जुड़े एक मामले में जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्र आसिफ इकबाल तनहा और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की छात्रा देवांगना कालिता और नताशा नरवाल को पिछले साल गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने इन छात्र कार्यकर्ताओं को मंगलवार को जमानत दी थी। इसके बावजूद उनके पते और जमानतदारों से जुड़ी जानकारी

पूरी नहीं होने का हवाला देते हुए समय पर जेल से रिहा नहीं किया गया था। इसके बाद गुरुवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रविंदर बेदी ने पते और जमानतदारों के सत्यापन में देरी को लेकर पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा– मैं कहूंगी कि यह अपने आप में एक उचित कारण नहीं हो सकता है कि जब तक इस तरह की रिपोर्ट दाखिल नहीं हो जाती, तब तक आरोपी को जेल में रखा जाए। आरोपियों के वकील की ओर से दाखिल हलफनामे को ध्यान में रखते हुए अदालत ने तिहाड़ जेल के अधीक्षक को उनकी तत्काल रिहाई के लिए वारंट भेजा। अदालत ने हाई कोर्ट की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें उसने कहा था कि एक बार जब कैद में रखे गए लोगों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया गया है और मुचलके के साथ जमानतदारों को प्रस्तुत किया गया है, तो उन्हें एक मिनट के लिए भी सलाखों के पीछे नहीं रहना चाहिए। जज ने कहा– यह देखा गया कि राज्य को न्यूनतम संभव समय के भीतर इस तरह की सत्यापन प्रक्रिया के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करना चाहिए और ऐसा कोई कारण नहीं हो सकता है, जो ऐसे व्यक्ति को उसकी स्वतंत्रता से वंचित करने के लिए पर्याप्त हो।

कई राज्यों में बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली। दक्षिण–पश्चिमी मानसून देश के लगभग हर हिस्से में पहुंच चुका है लेकिन मानसून पहुंचने के साथ ही कई राज्यों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। नेपाल से सटे बिहार के कई जिलों में लगातार बारिश की वजह से बाढ़ का खतरा बढ़ा है तो उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी बाढ़ की आशंका है। महाराष्ट्र से लेकर मध्य प्रदेश तक कई राज्यों में लगातार बारिश हो रही है और नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। बिहार की गंडक नदी में पानी बढ़ने से पूर्वी और पश्चिमी चंपारण के साथ ही सारण के कई इलाकों में पानी घुस गया है। फिलहाल, राज्य के ३८ जिलों में बारिश जारी है। राज्य के सात जिलों को रेड अलर्ट पर रखा है। इनमें पटना, गया, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, बेगूसराय और लखीसराय शामिल है। इधर, बेतिया के दर्जनों गांव में पानी घुस गया है। मनसून आने

के बाद से ही राज्य में बारिश का सिलसिला जारी है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल समेत खंडवा और मुरैना में बुधवार से बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, झारखंड में दवाब का सिस्टम बनने से पूर्वी मध्य प्रदेश में ज्यादा बारिश की संभावना है। महाराष्ट्र में मनसून समय से पहले पहुंचा और उसके बाद से ही मुंबई सहित कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश के चलते कोल्हापुर में पंचगंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई छोटे बांध डूब गए हैं। उत्तर प्रदेश के बहराइच में पिछले चार दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिससे घाघरा नदी में बाढ़ आ गई है। नदी के किनारे बसे लगभग दस गांव पानी में डूब गए हैं। बाराबंकी में बारिश के चलते इन दिनों रेट नदी उफान पर है। नदी का जल स्तर पहले से बढ़ा हुआ है।

मुस्लिम बुजुर्ग को पीटने वाले युवकों को मिली जमानत

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में एक बुजुर्ग वयक्ति को पीटने और उसके दाढ़ी काटने का मुद्दा इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है. ताजा जानकारी के अनुसार अब पिटाई करने के आरोप में गिरफ्तार किये गये आरोपियों को स्थानीय अदालत ने अंतरिम जमानत मिल गई है. इस संबंध में आरोपियों के अधिवक्ता ने यह जानकारी दी है. अधिवक्ता का कहना है कि हमने गिरफ्तारी के बाद ही बेल के लिए याचिका दायर कर दी थी. उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा बनाए गये मुख्य आरोपी परवेश गुर्जर को शुक्रवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संदीप चौधरी ने जमानत दे दी गई है. हालांकि, गुर्जर जबरन वसूली के एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में रहेगा, जिसमें उसे बुजुर्ग मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की घटना के कुछ दिनों बाद गिरफ्तार किया गया था. आरोपियों के वकील परविंदर नागर ने बताया कि इस मामले में जिन अन्य युवकों को जमानत दी गई है, उनमें सह आरोपी मुशाहिद, बाबू बिहारी उर्फ हिमांशु, अनस और शावेज शामिल हैं. इन्हें १७ अगस्त तक की अंतरिम जमानत दी गई है. नागर ने कहा कि कालू, आदिल, इंतजार और सद्दाम को भी जमानत दे दी गई है. बता दें कि बुलंदशहर निवासी अब्दुल समद को अपने दोस्तों के साथ पूर्वी दिल्ली के गोकलपुरी से ले जाने और सुनसान इलाके में एक कमरे में बंद कर पीटने,जबरन 'जय श्री राम' का नारा लगवाने और दाढ़ी काट देने के आरोप लगाए गये हैं. इस मामले को लेकर सोशल मीडिया में हंगामा हो रहा है. नये आईटी नियमों के तहत ट्वीटर पर भी कार्रवाई की जा रही है. पिटाई का ये वीडियो पांच जून का बताया जा रहा है. इन आरोपियों के साथ ही इस वीडियो की सही जानकारी प्राप्त किये बिना इसे फैलाने के वालों पर भी पुलिस सख्त नजर आ रही है. 'सांप्रदायिक' वीडियो प्रसारित करने के मामले में समाजवादी पार्टी के एक स्थानीय कार्यकर्ता की तलाश जारी है. इसके साथ ही इसी मसले पर बलीवुड अदाकारा स्वारा भास्कर के खिलाफ भी 'सांप्रदायिक' माहौल बिगाड़ने का आरोप में मामला दर्ज कराया गया है.

कश्मीर के नेताओं से मिलेंगे पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जम्मू कश्मीर के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से प्रदेश की एक दर्जन से ज्यादा पार्टियों को न्योता भेजा गया है। माना जा रहा है कि परिसीमन और राज्य में विधानसभा चुनाव के बारे में इस बैठक में चर्चा होगी। गौरतलब है कि करीब ढाई साल पहले नवंबर २०१८ में राज्य विधानसभा भंग कर दी गई थी और उसके बाद अगस्त २०१९ में राज्य का बंटवारा करके दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। उसके बाद पहली बार राज्य में राजनीतिक हलचल देखने को मिल रही है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी २४ जून को अपने आवास पर कश्मीर की पार्टियों के साथ सर्वदलीय बैठक करेंगे। इस बैठक के लिए नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती सहित १४ पार्टियों के नेताओं को न्योता भेजा गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मीटिंग की पुष्टि की है। पीएमओ के मुताबिक, सभी नेताओं को फोन पर मीटिंग में शामिल होने के लिए सूचित कर दिया

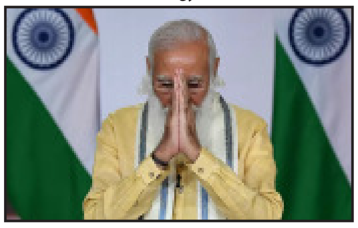

गया है। यह भी बताया गया है कि बैठक से पहले इन्हें कोरोना निगेटिव रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य होगा। फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और भाजपा के रविंदर रैना ने मीटिंग की पुष्टि की है। खबरों के मुताबिक पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने इस बैठक की पुष्टि करते हुए कहा है कि उन्हें सूचना दी गई है, लेकिन यह कोई न्योता नहीं था। उन्होंने रविवार को पीडीपी नेताओं की एक बैठक बुलाई है, जिसमें इस मीटिंग में शामिल होने को लेकर चर्चा होगी। इसी मीटिंग में तय होगा कि मीटिंग में पीडीपी शामिल होगी या नहीं। दूसरी ओर जम्मू–कश्मीर कांग्रेस के अध्यक्ष गुलाम अहमद मीर ने बताया कि उन्हें अब तक प्रधानमंत्री के साथ होने वाली मीटिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा– अगर हमें न्योता मिलता है, तो हम राष्ट्रीय नेताओं को बताएंगे। उसके बाद सलाह–मशविरा किया जाएगा। हम केंद्र की ओर से बातचीत के तरीके की तारीफ करते हैं। प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रविंदर रैना ने मीटिंग की पुष्टि की है। उन्होंने कहा– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने २४ जून को जम्मू कश्मीर के सभी राजनीतिक दलों को सर्वदलीय बैठक के लिए बुलाया है। मुझे इस बैठक का निमंत्रण मिला है।

राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने ४८ घंटों में दूसरी बार की अमित शाह से मुलाकात, कहा- आजादी के बाद ऐसे कभी नहीं हुए हालात

नई दिल्ली। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने पिछले ४८ घंटों में दूसरी बार गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है. मुलाकात के बाद राज्यपाल ने एक बार फिर से ममता बनर्जी पर हमला किया है. मुलाकात के बाद लौटते हुए धनखड़ ने कहा है कि बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद जिस तरह से यहां हिंसा बढ़ी है ऐसा आजादी के पहले ही देखा गया था. राज्यपाल ने कहा कि यह समय देश के संविधान, लोकतंत्र और कानून व्यवस्था पर विश्वास करने का है. बंगाल की कानून व्यवस्था पर बोलते हुए धनखड़ ने कहा कि मैं निजी तौर पर बंगाल के नौकरशाहों और पुलिस कर्मियों से अपील करना चाहता हूं कि वह आचार संहिता और नियमों के दायरे में रहें। बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ दिल्ली के दौरे पर हैं. पहले से तय किए गए कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को धनखड़ को वापस बंगाल लौट जाना था. लेकिन वे बंगाल

नहीं लौटे और आज एक बार फिर गृह मंत्री मंत्री अमित शाह से मुलाकात की. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राज्यपाल ने राष्ट्रपति और गृह मंत्री मंत्री को बंगाल में कानून की मौजूदा व्यवस्था पर रिपोर्ट सौंपकर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है. अमित शाह के साथ धनखड़ में बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी से भी मुलाकात की है. अमित शाह से दो बार हुई मुलाकात को लेकर मीडिया में चर्चाओं का बाजार गर्म है. टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को राज्यपाल का यह दिल्ली दौरा बिल्कुल भी रास नहीं आ रहा है. उन्होंने पहले ही राज्यपाल के दिल्ली दौरे पर सवाल खड़े किए थे. दूसरी ओर बंगाल बीजेपी लगातार टीएमसी पर राज्य में हिंसा फैलाने के आरोप लगा रही है. वहीं बंगाल भाजपा का कहना है कि राज्यपाल का दिल्ली गौरव कोई बड़ी बात नहीं है. बंगाल के भाजपा नेताओं का कहना है कि दिल्ली में राष्ट्रपति और केंद्रीय गृह मंत्री को बंगाल के मौजूदा हालात पर रिपोर्ट देना राज्यपाल का हक भी है और जिम्मेवारी भी।

AIMIM के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम को घेरा, कहा- कांग्रेस ही लायी थी दमनकारी कानून

नई दिल्ली। अपने बेबाक अंदाज के लिए देशभर में जाने जाने वाले असदुद्दीन ओवैसी ने पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम की क्लास लगाई है. बता दें कि चिदंबरम ने हाल में ही तिहाड़ जेल से रिहा होने वाले छात्र कार्यकर्ता नताशा नरवाल, देवांगना कालिता और आसिफ की रिहाई पर खुशी जताई थी. ये तीनों छात्र कार्यकर्ता २०२० में हुए दिल्ली दंगे मामले में आरोपी बनाए गए थे. उसके बाद से अब तक जेल में ही बंद थे. ओवैसी ने चिदंबरम को निशाने पर लेते हुए कांग्रेस सरकार के साथ ही भाजपा पर भी हमला बोला है. ओवैसी ने एक ट्वीट कर कहा कि तीन खोखले ट्वीट लेकिन असल समस्या पर एक शब्द भी नहीं ? ओवैसी ने कहा कि वह जादुई शब्द **UAPA** बोलें. ओवैसी ने कहा कि अपने कार्यकाल में कांग्रेस ने दमनकारी कानून बनाए थे. इसी

का फायदा लेकर अब भाजपा मुसलमानों और आदिवासियों की जिंदगी तबाह कर रही है. कांग्रेस पर हमलावर होते हुए ओवैसी ने भाजपा की भी क्लास लगा दी. उन्होंने कहा कि भाजपा ने विरासत में मिले दमनकारी कानूनों में और भी ज्यादा संशोधन कर इसे बदतर बना दिया उस समय आपकी पार्टी ने राज्यसभा में उसका साथ देने में कोई देरी नहीं की. असदुद्दीन ओवैसी का ये ट्वीट पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम के ट्वीट के बाद आया है. चिदंबरम ने ट्वीट कर इन तीनों की रिहाई पर कहा था कि नताशा , देवागाना, और आसिफ आपका हार्दिक स्वागत है. उन्होंने लिखा था कि आप तीनों जड़ता और उदासीनता के रेगिस्तान में उम्मीद की हरियाली हैं. इसके आगे चिदंबरम ने कहा था कि यह अफसोस की बात है अदालतें पुलिस पर जितना शक्ति दिखाती है उनके मालिकों और दमनकारी होते जाते हैं. लेकिन अंत में जीत सत्य की ही होती है।

नम आंखों से दी फलाईंग सिक्ख को विदाई, राजकीय सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन हुए मिल्खा सिंह

नई दिल्ली। फलाईंग सिक्ख के नाम से प्रसिद्ध एथलीट पद्मश्रीः मिल्खा सिंह का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया. जानकारी के अनुसार मिल्खा सिंह के पार्थिव शरीर को शाम के ४:१५ बजे उन्के घर के पास के सेक्टर–२५ श्मशानघाट में लाया गया था. मिल्खा सिंह के अंतिस संस्कार के समय उनके घर पर जाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल और हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह भी पहुंचे थे. वहीं, केंद्रीय खेल मंत्री रिजिजू और यूटी प्रशासक वीपी सिंह बदनौर के श्मशानघाट पर पहुंचे. इसके साथ ही सरकार की अपील के बाद भी कई लोग श्मशान घाट और घर पर पहुंच गये. हालांकि इस दौरान कोरोना की गाइडलाइन को लेकर राज्य सरकार की ओर से लगातार अपील की जा रही थी. इसलिए लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग के साथ ही २ गज की दूरी का भी ख्याल रखा. मौत की सूचना मिलते ही मिल्खा सिंह के बेटे जीव मिल्खा सिंह लेने पीजीआइ गए थे. कोरोना के गाइडलाइल के कारण मिल्खा सिंह के शव को सेक्टर–८ स्थित उनकी कोठी में रखा गया था. इसके साथ ही घर के बाहर मिल्खा सिंह और उनकी पत्नी निर्मल कौर की फोटो रखकर लोग उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे थे. आने वाले लोग दोनों की तस्वीरों पर माला चढा रहे थे. सबसे पहले मिल्खा सिंह के बेटे जीव मिल्खा सिंह ने उनकी फोटो पर माल्यार्पण किया. सुरक्षा के लिहाज से घर और इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई

थी. शुक्रवार की देर रात चानक मिल्खा सिंह का अक्सीजन लेवल गिर गया और बीपी डाउन होने से उनकी मौत हो गई थी. उन्होंने रात के ११रू बजकर ३० मिनट पर अपनी अंतिम सांस ली थी. कोरोना से संक्रमित होने के बाद वे ३ जून से पीजीआइ चंडीगढ़ में भर्ती थे. उनका इलाज कर रहे डक्टरों ने बताया था कि मिल्खा सिंह कोरोना को तो मात दे चुके थे लेकिन पोस्ट कोविड साइडइफेक्ट्स से वह नहीं उबर सके. वे ९१ साल के थे. बता दें कि पांच दिन पहले ही उनकी पत्नी निर्मल मिल्खा सिंह का निधन भी कोरोना के संक्रमण के कारण मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में हुआ था.।

मिल्खा सिंह के निधन पर ये क्या कह दिया राहुल गांधी ने जो मच गया बवाल, जानें पूरा मामला

नई दिल्ली। राहुल गांधी अक्सर किसी भी मुद्दे पर बयान देने के बाद विवादों में घिर जाते हैं. ऐसा ही मामला एक बार फिर से देखने को मिला है. कल रात भारत के महान एथलीट मिल्खा सिंह की कोरोना के कारण मृत्यु हो गई. मिल्खा सिंह की मृत्यु के बाद देश के कई बड़े राजनेता और फिल्मी कलाकारों के साथ ही स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों ने अपनी संवेदनाएं सोशल साइट्स में जाहिर की. इसी क्रम में राहुल गांधी ने भी मिल्खा सिंह को याद करते हुए एक ट्वीट किया. लेकिन राहुल गांधी द्वारा किए गए ट्वीट के कारण एक बार फिर से एक विवाद खड़ा हो गया. राहुल गांधी के ट्वीट पर हंगामा इसलिए मच गया क्योंकि उन्होंने मिल्खा सिंह की तारीफ करते हुए इंडिया के लिए भ्मत का प्रयोग कर दिया. अंग्रेजी ग्रामर की इस एक शब्द के लिए राहुल गांधी को एक बार फिर से बीजेपी के आईटी सेल के साथ ही कई नेताओं ने आड़े हाथों लिया. **BJP** कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के विदेश में पढ़ाई किए जाने पर भी सवाल खड़े कर दिए. देखते–देखते सोशल मीडिया में एक के बाद एक कई मीम्स बनने लगे जिसमें राहुल गांधी का जमकर मजाक उड़ाया गया. इस विषय पर जेएनयू के अंग्रेजी के प्रोफेसर डा. धनंजय सिंह से बात करने पर

उन्होंने कहा कि सामान्य तौर पर दूसरे देशों में **it*s** का प्रयोग किया जाता है. लेकिन भारत में सामान्यतः शब्द का प्रयोग देश के लिए नहीं किया जाता. लेकिन यदि कोई भारत में देश के लिए **Her** का प्रयोग करता भी है तो इसे गलत नहीं लेना चाहिए क्योंकि भारत को एक माता के रूप में देखे जाने की परंपरा रही है. उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसे भी कई देश है जो अपनी मातृभूमि को पितृभूमि कहना ज्यादा पसंद करते हैं. ऐसे देशों में सबसे पहला नाम जर्मनी का आता है।

अद्भुत चूहा : जिसने बचाई इंसानों की जान

अमरेन्द्र सहाय अमर

चूहा घरों में पाया जाने वाला एक छोटा सा जानवर होता है जिसके बारे में बताने की आवश्यकता नही. हर कोई जानता है इसके बारे में. चूहे कुछ भी खा लेते हैं. जैसे घरेलू कूड़ा, सड़ा हुआ मांस और अनाज वगैरह. वे हर उस जगह पर रहते हैं जहां इंसान रहते हैं. वे धातु में भी सुराख कर सकते हैं, लंबी दूरी तक तैर सकते हैं, ५० फीट ऊंचाई से गिरकर भी जिंदा रह लेते हैं. वे टॉयलेट से भी निकल आ सकते हैं. यह चूहे मूल रूप से उत्तरी चीन के निवासी हैं, मगर अब वे अंटार्कटिका को छोड़कर सभी महादेशों में फैल चुके हैं. कई प्रजातियों के जीव घट रहे हैं, लेकिन चूहे लगातार बढ़ रहे हैं– खघस तौर से शहरों में. चूहे दुनिया की सबसे आक्रामक प्रजातियों में से एक हैं. वे देसी वन्य जीवों को नुकसान पहुंचाते हैं, संपत्ति नष्ट करते हैं, खाने–पीने की चीजों को दूषित करते हैं और बीमारियां फैलाते हैं. ऑस्ट्रेलिया में चूहों ने हाहाकार मचा रखा है. लाखों टन फसल अब तक चूहे खेतों में बर्बाद कर चुके हैं वहीं चूहों ने अब घरों में आतंक मचाना शुरू कर दिया है. लाखों की तादाद में चूहे खेतों से लेकर घरों में घुस आये हैं और लोगों को काट रहे हैं. छोटे बच्चों को चौन से रहना चूहों ने मुहाल कर दिया है. बिजली लाइनों को काटने की वजह से ऑस्ट्रेलिया में जहां तहां आग लग जा रही है. सूखे की मार से ऑस्ट्रेलिया पहले से ही परेशान है और अब चूहों ने किसानों के सपनों पर पानी फेर दिया है. लेकिन एक चूहा ऐसा भी है जो लोगों की जान बचाता है. स्निफर डॉग शब्द तो आपने कई बार सुना होगा. देखा भी होगा. पुलिस, सेना या रेस्क्यू टीम के साथ ये इनके अपरेशन्स के दौरान नजर आते रहते हैं. इनकी सूंघने की शक्ति या कहें काबिलियत के चलते ये हर साल हजारों–लाखों लोगों की जान बचाते हैं. लेकिन, क्या आपने किसी ऐसे 'रेट स्क्वड' या चूहे के बारे में सुना है, जिसने स्निफर डॉग्स जैसे हैरतअंगेज काम को अंजाम दिया हो. वो भी एक नहीं पांच साल तक . चलिए आज एक ऐसे चूहे की जानकारी लेते हैं जिसने तमाम लोगों की जान बचाई. कम्बोडिया में गृहयुद्ध के दौरान जंगलों में हजारों की संख्या में बारूदी सुरंगे बिछाई गईं थी. अकसर, यहां के गुजरने वाले लोगों के पैर इनपर पड़ जाते. दबाव जैसे ही पड़ता ये लैंड माइन्स फट जातीं यानी इनमें ब्लास्ट हो जाता. दुनिया भर में इसको लेकर फिक्रमंदी थी. खास बात ये है कि यह बारूदी सुरंगे उसी क्षेत्र में थीं, जहां विश्व प्रसिद्ध अंकोरवाट मंदिर हैं. दुनिया भर से यहां टूरिस्ट भी आते थे. कम्बोडिया प्रोतिक रूप से बहुत खूबसूरत देश है.इसलिए भी यहां पर्यटक ज्यादा आते हैं.। मागाबा कम्बोडिया में मौजूद एक स्निफर चूहा है. बारूदी सुरंगों के फटने से होने वाली जन माल के नुक्सान से कम्बोडियाई सरकार बहुत परेशान थी. इसी दौरान, बेल्जियम के एक चौरिटी अर्गनाइजेशन अपोपो को अद्भुत विचार आया. इस आर्गनाइजेशन ने तंजानिया से एक खास नस्ल के कुछ चूहे खरीदे. इनके सूंघने की ताकत जबरदस्त थी. अपोपो के वलेंटियर्स ने इन्हें प्रशिक्षित करना शुरू किया इनमें से एक चूहे मागाबा को कम्बोडिया भेजा गया. इस चूहे के साथ वॉलेंटियर भी गए. अफ्रीकी नस्ल के इस मगावा चूहे की बहादुरी के सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चे हो रहे हैं. इस चूहे के सूंघने की क्षमता इतनी बेहतर है कि बारूदी सुरंगों का पता लगाने में इस्तेमाल होने वाली महंगी मशीनों को भी मात दे देती है. इसी खासियत के चलते इसे दल में शामिल किया गया था और अब तक इसने एक सैकड़ा बारूदी सुरंगों का पता लगाया है। अपोपो आर्गनाइजेशन के प्रोग्राम मैनेजर माइकल हेमेन कहते हैं– ७१ लैंडमाइन्स और ३८ विस्फोटकों का पता लगाने वाला मागाबा अब थक गया है. उसकी उम्र सात साल है.पांच साल में उसने २ लाख २५ हजार स्क्वॅायर मीटर में काम करके हजारों लोगों की जान बचाई. ये ४२ फुटबल मैदानों के बराबर है. हमने इसको रिटायर करने का फैसला किया. अब वो अपने पसंदीदा काम जैसे केले और पीनट्स खाने के लिए आजाद है. हालांकि, वो अब भी काफी फिट है. लेकिन, उम्र का असर मगावा चूहे पर दिखने लगा है. मागाबा को २०१६ में जब कम्बोडिया लाया गया तो वह महज २ साल का था. यहां आने से पहले उसका इस्तेमाल तंजानिया की कैमिकल फैक्ट्री में भी किया गया था. पिछले साल सितंबर में उसे रोडेन्ट अवर्ड से सम्मानित किया गया था. इसके अलावा भी उसे कई सम्मान मिल चुके हैं . मगावा को ब्रिटेन की एक चौरिटी संस्था पीडीएसए द्वारा सम्मानित किया जा चुका है. ब्रिटिश संस्था हर साल अच्छा काम करने वाले जानवरों को सम्मानित करती है. पहली बार इस संस्था ने एक चूहे को सम्मानित किया था। मागाबा के प्रशिक्षक बताते हैं कि वो तय एरिया में घूमता. उसके साथ वॉलेंटियर साथ रहते. मागाबा को जहां लैंडमाइन का विस्फोटक का शक होता, वहां वो रुक जाता, फिर जमीन को खुरचने लगता. इसके बाद वहां से हट जाता और स्टाफ लैंडमाइन क्लियर कर देता. हेमेन कहते हैं– हमें उसकी बहुत याद आएगी. वो बेजोड़ चूहा है.

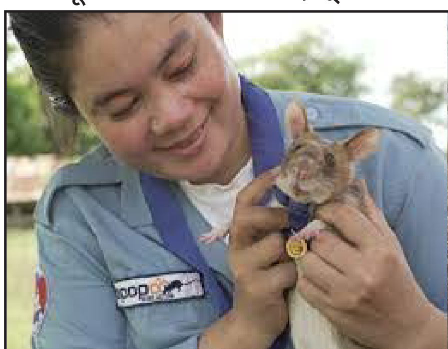

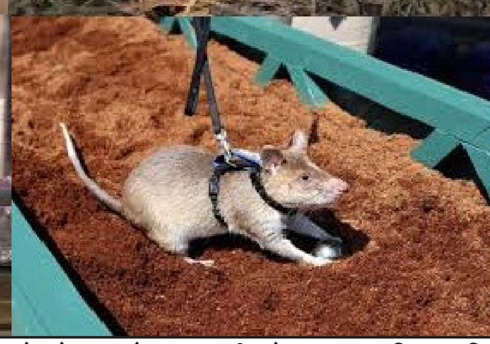

३० जून तक बढ़ीपैन कार्ड को आधार से लिकं करने की डेट, जल्दी करें नहीं तो बढ़ सकती है मुसिबत

नई दिल्ली। भारत सरकार ने पैन कार्ड को आधार से लिकंकरने की तारीख एक बार फिर से बढ़ा दी है। अब आप ३० जून २०२१ तक पैन को आधार से लिंक करा सकेंगे। इससे पहले पैन कार्ड को आधार से लिकं करने की तारीख ३१ मार्च थी। गौरतलब है कि अब इनकम टैक्स विभाग ने पैन कार्ड को आधार से लिंक करना अनिवार्य कर दिया है। इसलिए अगर आपने भी ये काम नहीं किया है तो इसे जल्द से जल्द कर लीजिए, नहीं तो कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। पैन कार्ड और आधार को ऑनलाइन के जरिए आसानी से लिंक किया जा सकता है। पैन कार्ड की सबसे ज्यादा जरूरत रिटर्न फाइल करने के लिए होती है। अगर आप पैन कार्ड और आधार को लिंक नहीं करते हैं तो डायरेक्ट टैक्स सेंट्रल बोर्ड की नोटिफिकेशन के अनुसार, आपका पैन कार्ड ऑपरेटिव नहीं रहेगा और ये तब ऑपरेटिव नहीं होगा जब तक आप इसे आधार कार्ड से लिकं नहीं कर लेते। इनकम टैक्स विभाग के नियम के तहत अगर आपने १ जुलाई २०२१ तक अपना पैन आधार से लिकं नहीं कराया तो आप पर एक हजार रूपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

वित्तीय लेन देन के दौरान भी पैन नंबर होना जरूरी होता है। बैंक अकाउंट खोलते समय भी पैन की जरूरत होती है। क्रेडिट कार्ड या फिर डेबिट कार्ड में भी पैन नंबर चाहिए होता है। इनकम टैक्स फाइल करने के साथ ही आपके टैक्स रिफंड की गणना के लिए भी पैन नंबर जरूरी होता है। ऐसे में अगर आपने आधार से पैन को लिंक नहीं करवाया और आपका पैन कार्ड ऑपरेटिव नहीं है तो आप वित्तीय ट्रांजेक्शंस नहीं कर सकते हैं।

बारिश ने धोया WTC Final का पहला दिन, जानें ५ दिनों तक कैसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली। WTC Final २०२१ : लंबे समय से वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल मैच का इंतजार कर रहे क्रिकेट प्रेमियों को फाइनल के पहले दिन ही निराशा हाथ लगी। वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल का पहला दिन पूरी तरह से बारिश में धुल गया। साउथैंप्टन में लगातार बारिश के कारण मैच होना तो दूर टॉस तक नहीं हो सका। बारिश और मैदान में पानी को देखते हुए मैच पहले दिन का खेल रद्द करना पड़ गया। जानकारी में सामने आ रहा है कि अब शनिवार को ९८ ओवर का खेल खेला जा सकता है, साथ ही अब ये मैच रिजर्व डे तक जाएगा। रिजर्व डे में पांच दिनों के गंवाए हुए ओवर फेंके जाएंगे। पहले दिन का खेल धुलने के बाद अब फाइनल टेस्ट मैच में रिजर्व डे का भी इस्तेमाल होगा। जिसमें बाकी बचे ओवरों को पूरा किया जाएगा। अब यह टेस्ट २३ जून तक चलेगा। रिजर्व डे में अधिकतम ८३ ओवर या ३३० मिनट का खेल खेला जा सकता है। अगर साउथैंप्टन में मौसम की बात की जाए तो अगले ५ दिनों तक मौसम में बार–बार बदलाव देखने को मिल सकता है। शनिवार को धूप रहने के आसार हैं। लेकिन रविवार सुबह से ही भारी बारिश की आशंका है। सोमवार को भी भारी बारिश की संभावना के साथ मंगलवार को भी रुक–रुककर बारिश हो सकती है। अब बचा रिजर्व डे तो इस दिन बुधवार को को भी बारिश की संभावना जताई गई है। ऐसे में लगता है कि टेस्ट के इस पहले फाइनल मुकाबले के ड्रॉ होने के ज्यादा संकेत है।

यूपी में दो से अधिक बच्चे वालों को सरकारी योजनाओं के लाभ से किया जा सकता है वंचित

लखनऊ। हम दो हमारे दो। बच्चे दो ही अच्छे। ऐसी सोच रखने वालों के लिए सूबे में आने वाले दिनों में जिंदगी की राह आसान होगी। जनसंख्या के लिहाज से देश की सर्वाधिक आबादी वाले सूबे उत्तर प्रदेश में अब दो से अधिक बच्चे वाले अभिभावकों की मुश्किलें बढने वाली हैं। राज्य विधि आयोग ने प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून का मसौदा बनाना शुरू कर दिया है। आयोग, फिलहाल राजस्थान व मध्य प्रदेश समेत कुछ अन्य राज्यों में लागू कानूनों के साथ सामाजिक परिस्थितियों व अन्य बिध्दुओं पर अध्ययन कर रहा है। जल्द वह अपना प्रतिवेदन तैयार कर राज्य सरकार को सौंपेगा। सूबे में बीते चार वर्षों में उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम व उप्र लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली अधिनियम समेत कई नए कानून लागू किए गए हैं, जबकि कई अहम कानूनों में बदलाव की रूपरेखा भी तैयार की जा चुकी

है। इसी कड़ी में विधि आयोग ने अब जनसंख्या नियंत्रण के बड़े मुद्दे पर अपना काम शुरू किया है। इसके तहत दो से अधिक बच्चों के अभिभावकों को सरकारी सुविधाओं के लाभ से वंचित किए जाने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर अध्ययन होगा। खासकर सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाली सुविधाओं में कितनी कटौती की जाए, इस पर मंथन होगा। फिलहाल राशन व अन्य सब्सिडी में कटौती के विभिन्न पहलुओं पर विचार शुरू कर दिया गया है।सूबे में इस कानून के दायरे में अभिभावकों को किस समय सीमा के तहत लाया जाएगा और उनके लिए सरकारी सुविधाओं के अलावा सरकारी नौकरी में क्या व्यवस्था होगी, ऐसे कई बिध्दु भी बेहद अहम होंगे। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एएन मित्तल का कहना है कि जनसंख्या नियंत्रण को लेकर असोम, राजस्थान व मध्य प्रदेश में लागू कानूनों का अध्ययन शुरू कर किया गया है। बेरोजगारी व भुखमरी समेत अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर विभिन्न बिन्दुओं पर विचार के आधार पर प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा।

दबंगों ने गर्भवती महिला को दौड़ा-दौड़ा कर लाठी-डंडों से पीटा

सरोजनीनगर–लखनऊ सरोजनीनगर इलाके में युवक को बदनाम करने की साजिश को लेकर की गई फर्जी कॉल रिकॉर्डिंग का विरोध करना एक परिवार को काफी महंगा पड़ गया। नतीजा यह हुआ कि कुछ दबंगों ने एक गर्भवती महिला सहित उसके माँ–बाप के अलावा ५ लड़कियों

की बुरी तरह पिटाई कर दी। शनिवार दोपहर हुई इस घटना के दौरान दबंगों ने उन्हें दौड़ा–दौड़ा कर लाठी–डंडों से पीटा। जिससे गर्भवती महिला सहित परिवार के ७ लोग चोटिल हो गए। पीड़ित परिवार ने घटना के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने उनकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया। रविवार को जब घटना का वीडियो वायरल हुआ, तो हरकत में आई पुलिस ने पीड़ित पक्ष की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सरोजनीनगर के बदाली खेड़ा निवासी एक महिला के मुताबिक यहीं के रहने वाले अर्जुन राय के बेटे राजा ने गत दिनों कोलकाता निवासी अपनी परिचित युवती से फोन पर बात कर उसके बेटे को फर्जी तरह बदनाम करने के लिए उसका नाम लेकर अश्लील बातें करने को कहा और बाद में युवती की सारी बातों की कॉल रिकॉर्डिंग कर युवक के परिजनों को सुनाया। आरोप है कि जब युवक के परिजनों ने इस मामले में युवती का नंबर लेकर उससे बात की तो उसने पीड़ित पक्ष के युवक से किसी भी प्रकार की जान पहचान होने से इनकार करते हुए राजा के कहने पर ऐसी बातें करने की बात कबूली। इसके बाद जब पीड़ित परिवार को पता चला कि राजा ने उनके घर के युवक को फर्जी तरह बदनाम करने के लिए ऐसी कहानी रची है, तो वह शनिवार को इसकी शिकायत करने उसके घर पहुंच गए। आरोप है कि इसी शिकायत से भड़के राजा, उसके भाई विष्णु, बोखी और प्रभु के अलावा बाप अर्जुन राय ने मिलकर लाठी–डंडों से युवक की मां, बाप व एक गर्भवती सहित ५ बहनों की बुरी तरह पिटाई कर दी। दबंगों ने उन्हें घर के बाहर रास्ते में दौड़ा–दौड़ा कर जमकर पीटा। जिससे गर्भवती महिला सहित सातों लोग बुरी तरह चोटिल हो गए। बाद में पीड़ितों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। लेकिन आरोप है कि पुलिस तहरीर लेकर चुपचाप बैठ गई। उधर इस मारपीट की घटना के दौरान किसी ने वीडियो बना लिया। यह वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होते ही हरकत में आई पुलिस ने आनन–फानन पीड़ित पक्ष की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी अर्जुन राय और उसके बेटे प्रभु को गिरफ्तार कर लिया है।

दुष्कर्म में फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ।राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में एक सप्ताह पहले १० वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना को अजांम देकर फरार हुए आरोपी को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। रविवार को दोबारा बाइक से गांव में आने पर आरोपी को देखकर पीड़िता चीखने चिल्लाने लगी, जिसके बाद भाग रहे आरोपी को ग्रामीणो ने घेराबंदी कर पकड़ लिया और पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस के आने पर गामीणो ने आरोपी को बाइक सहित पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनूसार मोहनलालगंज के एक गांव की रहने वाली दस वर्षीय मासूम अपने चचेरे भाई के साथ १३ जून को गांव के बाहर आम तोड़ने गयी थी,इस दौरान बाइक से आये एक अज्ञात युवक ने पिता के बुलाने की बात कहकर मासूम को बहला–फुसलाकर कुछ दूर गांव के जगंल में ले जाकर डरा धमकाकर दुष्कर्म कर फरार हो गया, जिसके बाद पीड़ित मासूम के पिता की तहरीर पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध दुराचार व पाक्सो एक्ट की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर लिया गया था और पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश की जा रही थी। वहीं, रविवार की सुबह आरोपी बाइक से फिर गांव पहुंचा गया इस दौरान पीड़ित मासूम की नजर आरोपी पर पड़ी तो वह उसे पहचानकर चीखने चिल्लाने लगी, जिसके बाद आरोपी मौके से भागने लग। ग्रामीणों ने आरोपी की घेराबंदी कर पकड़ लिया और पुलिस को इसकी सूचना दी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में ले लिया इंस्पेक्टर दीनानाथ मिश्रा ने बताया आरोपी राजेन्द्र सोनी मूल रूप से ग्राम मुरलीगंज थाना जैतपुर जनपद बाराबंकी का रहने वाला है तथा वर्तमान में मोहनलालगंज में रेलवे क्रसिंग के पास शराब ठेके के बगल में परिवार के साथ किराए पर रह रहा था। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है व नियमानुसार कार्यवाही करते हुए जेल भेजा जा रहा है।

आईपीएल 2021 के बचे हुए मैचों के आयोजन के रास्ते का एक और रोड़ा हटा, फैन्स ने ली राहत की सांस

नयी दिल्ली। आईपीएल २०२१ के आयोजन की घोषणा के बाद से ही लगातार ये विवादों में रहा है. जब एक बार इसकी शुरूआत भी कर दी गई तो बाद में कोरोना के कारण इसे बीच में ही रोकना पड़ा. अब जब सभी चीजें तय हो गई तो एक बार फिर से विश्व भर के क्रिकेट प्रेमियों को ये चिंता सताने लगी थी कि ब्व्स-और प्ब्स-के डेट्स आपस में ना टकरा जाएं. बीसीसीआई ने इसका भी हल निकाल लिया है. आईपीएल के शेष सत्र को पूरा करने के लिए कैरेबियाई प्रीमियर लीग की तारीखों में बदलाव के आग्रह पर सहमत हो गया है. दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच हुए समझौते के तहत अब बऔर सीपीएल दोनों टूर्नामेंट एक दूसरे से टकराये बिना आयोजित हो सकेंगे. सीपीएल के आयोजकों ने बीसीसीआई के आग्रह को स्वीकार करते हुए सीपीएल की तारीखों को आगे बढ़ा दिया है, ताकि १४ सितंबर के बाद उपलब्ध सीमित विंडो में आईपीएल को पूरा किया जा सके, तब भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे से मुक्त हो जाएगी. आयोजक जल्द ही सीपीएल का संशोधित कार्यक्रम जारी कर सकते हैं. बीसीसीआई के सचिव जय शाह की सीपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीओओ) पीट रसेल से मुलाकात के बाद बीसीसीआई और सीपीएल अधिकारियों की ओर से नई व्यवस्था पर सहमति व्यक्त जताई गई है. बीसीसीआई सचिव ने क्रिकेट वेस्ट इंडीज में अपने समकक्षों से भी बात की है, जिसके बाद कैरेबियाई क्रिकेट अधिकारियों ने सीपीएल कार्यक्रम में बदलाव करने पर सहमति जताई है. वेस्ट इंडीज क्रिकेट के अध्यक्ष रिकी स्केरिट ने सीपीएल शेड्यूल में प्रस्तावित बदलावों की पुष्टि करते हुए कहा है कि क्रिकेट वेस्ट इंडीज बिना किसी परस्पर विरोधी ओवरलैप के सीपीएल से आईपीएल में एक सुचारु परिवर्तन की सुविधा में मदद करने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहा है. सीपीएल अब २५ अगस्त से १५ सितंबर तक आयोजित किया जाएगा. क्रिकेट के प्रेमियों को इस खबर से बड़ी राहत मिली है. इसके पीछे का कारण है कि अब क्रिकेट प्रेमियों को एक साथ दो लीग मैचों की चिंता नहीं होगी और दोनों लीग का आराम से आनंद ले सकेंगे. आईपीएल का शेष सत्र १८ या १६ सितंबर के आसपास फिर से शुरू हो सकेगा. पहले सीपीएल २८ अगस्त से १६ सितंबर तक होना था. सीपीएल ने २७ अप्रैल को कहा था कि सेंट किट्स एंड नेविस में २८ अगस्त से टूर्नामेंट शुरू होगा और कुल ३३ मैच खेले जाएंगे. टूर्नामेंट २६ अगस्त को भी शुरू हो सकता है, ताकि पाकिस्तान के खिलाफ वेस्ट इंडीज के दूसरे टेस्ट और सीपीएल की शुरुआत के बीच २४ घंटे से अधिक का अंतर हो।

२१ जून को कराएंगे ऑनलाइन माध्यम से योग

अलीगढ़। विश्व योग दिवस के मौके पर इस साल भी क्रीड़ा भारती के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। २१ जून को ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को बैठक का आयोजन किया गया। सातवें अंतर्राष्ट्रीय योयोग दिवस की तैयारियों को लेकर जिला क्रीड़ा भारती की वर्चुअल बैठक का जिलाध्यक्ष श्याम कुतेल की अध्यक्षता में हुई। संचालन क्रीड़ा भारती के महामंत्री डॉक्टर शंभू दयाल रावत ने किया। अध्यक्ष श्याम कुतैल ने कहा कि केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर क्रीड़ा भारती अलीगढ़ में योग दिवस अधिकाधिक प्रतिभाग सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। २१ जून को ऑनलाइन कार्यक्रम होंगे , जिसमें ड.राघवेंद्र शर्मा विभिन्न योग क्रियाएं कराएंगे। प्रतिभागियों के पंजीकरण के लिए लिंक उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके बाद जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष मजहर उल कमर ने विभिन्न जानकारियां दीं।विभाग संयोजक मनोज शर्मा ने बताया कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा।बैठक में योग आचार्य डॉ.आरके शर्मा, स्नेहा शर्मा, अर्चना फौजदार, डॉ. चंद्रशेखर शर्मा, पंकज सोलंकी, योगेश शर्मा, शिवानी सिंह, कीर्ति पालीवाल, निधि सिंह आदि रहे।

पिछले २४ घंटे में राज्य में दो लाख ७३ हजार ४२६ सैम्पल टेस्ट, संक्रमित मरीजों की संख्या पांच हजार से कम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगभग तीन महीने बाद कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या पांच हजार से कम हुई है। प्रदेश में औसत पाजीटिविटी दर शून्य दशमलव तीन फीसदी है। पिछले २४ घंटे में

राज्य में दो लाख ७३ हजार ४२६ सैम्पल टेस्ट हुए, जबकि २६४ नए पजिटिव केस आए और ५६२ लोग स्वस्थ होकर डिस्चार्ज भी हुए। इस दौरान पजिटिविटी दर ०.१ फीसदी रही, जबकि रिकवरी दर ९८.४ प्रतिशत हो चुकी है। वर्तमान में प्रदेश में कुल ४,६५७ एक्टिव केस हैं। इससे पहले, ५,००० से कम एक्टिव केस २४ मार्च को थे। महाराष्ट्र और केरल में दैनिक केस, उत्तर प्रदेश में कुल जितने एक्टिव केस हैं, उसके दो से तीन गुने अधिक केस महाराष्ट्र और केरल में हर दिन आ रहे हैं। जून में उत्तर प्रदेश में औसत पजिटिविटी दर ०.३ प्रतिशत रही है। प्रदेश में अब तक ५.५० करोड़ से अधिक कोविड सैंपल की जांच हो चुकी है, जबकि ढाई करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना प्रबंधन के लिये गठित टीम–०६ की बैठक में कहा कि इस समय वायरस कमजोर है। संक्रमण दर न्यूनतम रह गई है। वैक्सीनेशन के अभियान को तेज करने के लिए यह अनुकूल समय है। १८ वर्ष की आयु से अधिक के सभी नागरिकों के लिए २१ जून से राज्य सरकारों को निःशुल्क टीका उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस निर्णय से टीकाकरण अभियान को और गति मिलेगी। हमें इस सुअवसर का लाभ लेते हुए पूरी क्षमता के साथ टीकाकरण अभियान संचालित करना होगा। इसके लिए रणनीति बना कर प्रभावी ढंग से लागू की जाए। हर दिन ०६ लाख लोगों को टीका–कवर देने के लक्ष्य के साथ तैयारी की जाए जबकि ०१ जुलाई से प्रतिदिन १० से १२ लाख लोगों को वैक्सीनेट किया जाए। वैक्सीनेशन सेंटर और वैक्सीनेटर की संख्या बढ़ाएं। उन्होने कहा कि विकास खंडों के अंतर्गत राजस्व गांवों का क्लस्टर बनाकर टीकाकरण अभियान चलाया जाए। एक क्लस्टर को एक सप्ताह के भीतर वैक्सीनेट करने का लक्ष्य हो। ग्राम पंचायतों को केंद्र बनाएं। ग्रामीणों को टीका लगने की तारीख पहले से ही बताई हो। वैक्सीनेशन की तिथि के तीन दिन पूर्व ग्राम प्रधान, शिक्षक, आशा बहनों सहित क्षेत्रीय प्रबुद्ध जनों के सहयोग से लोगों को जागरूक किया जाए। टीकाकरण के बाद किसी प्रकार की चिकित्सकीय सहायता के लिए एम्बुलेंस के साथ क्विक रिस्पन्स टीम भी सक्रिय रहे। ग्राम पंचायतों की तरह, शहरों में वार्डों को केंद्र बनाकर टीकाकरण कराया जाए। प्रदेश में कोविड वैक्सीनेशन ढाई करोड़ के पार हो गया है। विगत २४ घंटों में ०४ लाख ६० हजार ३५८ लोगों को टीका–कवर मिला, इसमें, ०२ लाख ४६ हजार ८६८ लोग १८ से ४४ आयु वर्ग के हैं। अब तक ०२ करोड़ ५१ लाख ५४ हजार से अधिक वैक्सीन डोज एडमिनिस्टर किए जा चुके हैं। टीकाकरण की पहली डोज प्राप्त कर चुके लोगों की संख्या ०२ करोड़ से अधिक हो चुकी है, जबकि ३६ लाख ८७ हजार से अधिक लोगों को दोनों डोज मिल चुकी है। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश सभी तरह की परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार है। प्रदेश अक्सीजन जेनेरेशन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है।

पंजाब नेशनल बैंक में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड की एक दर्जन से भी ज्यादा गाड़ियां पहुंची

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत हलवासिया कोर्ट में स्थित पंजाब नेशनल बैंक में रविवार शाम करीब ४रू०० बजे भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी खतरनाक थी कि देखते ही देखते पूरे बिल्डिंग फैल गयी। बिल्डिंग में आग लगी देख आसपास के लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस वह फायर ब्रिगेड की टीम आग को काबू करने का प्रयास कर रही हैं। लेकिन आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया है कि दमकल विभाग की करीब १२ गाड़िया आग पर काबू करने का प्रयास कर रही हैं। बताया जा रहा है कि पंजाब नेशनल बैंक बंद होने की वजह से आग पर काबू पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। फिलहाल प्रथम

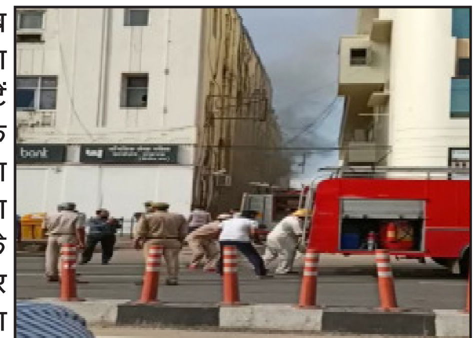

ष्टया आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस ने पूरी बिल्डिंग को खाली करवा दिया है। राहत कार्य जारी है।

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार को 'रियल अंडरटेकर' ने दी फाइट की चुनौती

मुंबई। बॉलीवुड में खिलाड़ी के नाम से मशहूर अक्षय कुमार की फैन फलोइंग किसी से कम नहीं है. इन दिनों अक्षय कुमार अपनी एक्शन फिल्मों के लिए नहीं बल्कि कमेडी ड्रामा के लिए जाने जाते हैं. लेकिन जब अक्षय कुमार ने बलीवुड में एंट्री ली थी तब वह एक एक्शन हीरो के तौर पर ही देखे जाते थे. पिछले दिनों अक्षय कुमार की ऐसे ही है प्रसिद्ध एक्शन मूवी के २५ साल पूरे हुए जिसका नाम था खिलाड़ियों का खिलाड़ी. यह फिल्म उस समय की ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. इसे फिल्म के बाद से अक्षय कुमार को एक्शन किंग माना जाने लगा था. फिल्म के २५ साल पूरे होने पर अक्षय कुमार ने अपने फैंस के लिए कुछ तस्वीरें शेयर की. इन तस्वीरों में खिलाड़ी कुमार अंडरटेकर से लड़ाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं. लेकिन तस्वीरों के ट्वीट करने के बाद असली अंडरटेकर का फाइट चौलेंज आ गया. खिलाड़ियों का खिलाड़ी फिल्म के २५ साल पूरे होने पर अक्षय कुमार ने ट्वीट कर अपने फैंस को धन्यवाद कहा. खुद अक्षय कुमार ने भी या नहीं सोचा होगा कि रियल अंडरटेकर इस ट्वीट को देखेंगे और उन्हें फाइट के लिए चौलेंज करेंगे. लेकिन ऐसा हुआ. अपने बड़े–बड़े बालों और ताकत के लिए प्रसिद्ध अंडरटेकर ने जब अक्षय कुमार को फाइट के लिए चौलेंज किया तो अक्षय कुमार ने मजाकिया तौर पर कहा– मुझे अपना इंश्योरेंस चेक करने दीजिए उसके बाद मैं आपको बताता हूं।

फिल्म 'पृथ्वीराज' विवादों में अक्षय कुमार का पुतला फूंका, सड़कों पर जमकर विरोध, दी चेतावनी

नई दिल्ली। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार की फिल्म 'पृथ्वीराज' घोषणा के बाद से ही विवादों में आ गई है। कुछ दिनों पहले

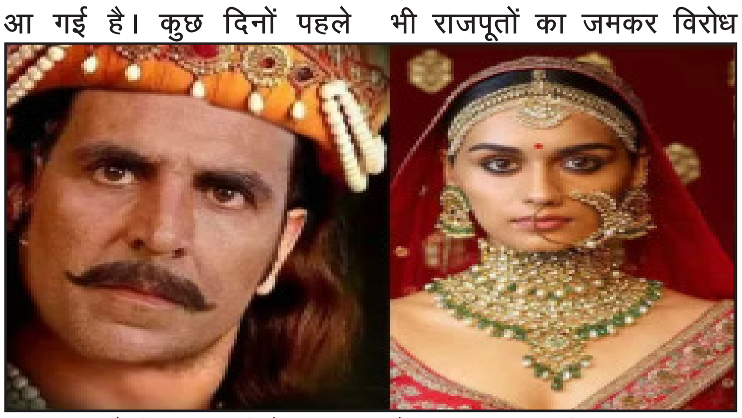

राजस्थान में फिल्म का विरोध हुआ था। यहां करणी सेना ने फिल्म के टाइटल को लेकर आपत्ति जताई थी। अब अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा को भी फिल्म के नाम पर आपत्ति आन पड़ी है। गुरुवार को चंडीगढ़ में फिल्म के विरोध में अक्षय कुमार का पुतला जलाया गया। क्षत्रिय महासभा के अगुवाई में फिल्म 'पृथ्वीराज' के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी की गई। बता दें कि इससे पहले फिल्म 'पदमावत' को भी राजपूतों का जमकर विरोध झेलना पड़ा था। फिल्म 'पृथ्वीराज' महान राजपूत राजा पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म का डायरेक्शन चंद्रप्रकाश द्विवेदी कर रहे हैं जबकि आदित्य चोपड़ा इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में अक्षय कुमार पृथ्वीराज चौहान का किरदार निभा रहे है। वहीं पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। मानुषी फिल्म में पृथ्वीराज चौहान की पत्नी संयुक्ता का किरदार निभाएंगी। क्षत्रिय महासभा ने फिल्म पर विरोध जताते हुए कहा कि फिल्म का नाम सिर्फ 'पृथ्वीराज' नहीं, बल्कि 'हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान' या 'सम्राट पृथ्वी राज चौहान' होना चाहिए। ऐसे महान राजा का नाम सम्मान से लेन ही लेना होगा और फिल्म का नाम भी बदलना होगा। महासभा ने एक और मांग करते हुए कहा कि, फिल्म रिलीज होने से पहले क्षत्रिय और राजपूत समाज से जुड़े प्रतिनिधियों को दिखानी होगी, क्योंकि देखना चाहते है कि फिल्म में किसी तरह का कोई विवाद तो नहीं दिखाया गया है। क्षत्रिय महासभा ने चेतावनी देते हुए कहा कि, अगर ऐसा नहीं हुआ, तो इस फिल्म के खिलाफ भी वैसा ही प्रदर्शन होगा, जैसा 'पदमावत' और 'जोधा अकबर' के साथ हुआ था।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक